



न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल, गवान्नियर केन्द्र, सागर म.पु.

दिन २९६४-८-१६

द्रविता तनय बाबूजानपाटन

साक्षि- ग्राम पुरेना बछड़ी, तह. हटा जिला दमोह वा अन्य
.. आवेदकाण

// विष्णु //

वरान तनय शूते रजक ता. पुरेना बछड़ी.

ता. हटा, तह. हटाजिला दमोह म.पु. .. अनावेदक

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.पु. भा. रा. संहिता 1959.

उपरोक्त आवेदक राजस्व निरीक्षक, हटा तहसील हटा, जिला दमोह

द्वारा रग.प्र.क्र.-083/12/सन् 15-16 में पारित आदेश दिनांक -

30. 6. 16 एवं सीमांकन दिनांक 17. 06. 16 ते परिवेदित होकर निम्न प्रमुख कानूनी तथ्यों के आधार पर यह निगरानी प्रस्तुत करते हैं :-

यहकि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आजोच्य आदेश

विधि के विपरीत एवं तथ्यों के प्रतिकूल होनेके कारण निरस्त किए जाने योग्य है।

यहकि आवेदकाण एवं अनावेदक की कृषि भूमि ग्राम पुरेना

बछड़ी प.ह.नं. 58 में स्थित है जिसमें आरा नंबर 68/28 ख रक्वा 0.26 हेक्टेयर भूमि अनावेदक के नाम दर्ज है एवं आवेदकाण की भी

शामिल शारीक पारिवारिक भूमि है।

यहकि अनावेदक द्वारा सीमांकने के तमय अधी. न्यायालय

द्वारा आवेदक को कोड़ सूचना पत्र निर्दिष्ट में जारी नहीं किया गया और ना ही को जानकारी संबंधित पट्टपाठी द्वारा दी गई है।

अधीनस्थ न्यायालय द्वारा विधि विस्तृतीके से सीमांकन किया

... 200

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुबृति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक :—निगरानी—2964—एक / 2016

जिला—दमोह

दरबारी यादव विरुद्ध नरान बख्शी

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | प्रशाकर्ता एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर |
|---------------------|---|---|
| 08—03—2019 | <p>1. प्रकरण प्रस्तुत।</p> <p>2. आवेदक की ओर से श्री वीरेन्द्र तिवारी अभिभाषक उपस्थित।</p> <p>3. यह निगरानी राजस्व निरीक्षक हटा, तहसील हटा, जिला—दमोह के प्रकरण क्रमांक 08/अ—12/2015—16 में पारित सीमांकन आदेश दिनांक 30—06—2016 एवं 17—06—2016 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।</p> <p>4. म.प्र. भू—राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधन वर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरुद्ध आपत्ति सुनवाई अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये हैं।</p> <p>5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है। उभय पक्ष दिनांक 06—05—2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो। अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये।</p>  | (आर.के. जैन) ४/३।।९ सदृश्य |